22 नमस्ते
22 G Namaste
Vol No. 01, Issue No. 04, Date : 24 October, 2023, www.22gentertainment.com

SPACE
AVAILABLE
FOR
ADVERTISEMENT
CALL NOW
+1 (408) 917-0060

भारत में कुछ लोग हैं जो नहीं चाहते देश आगे बढ़े.... दशहरा रैली में बोले मोहन भागवत

नागपुर में विजयदशमी पर आरएसएस ने शस्त्र पूजा की, विश्व में भारत का रुतबा बढ़ा

नागपुर - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 'विजयादशमी उत्सव' में एक सभा को संबोधित करते हुए भारत के जी20 शिखर सम्मेलन के सफ्ल आयोजन पर जोर दिया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के नेतृत्व ने देश को दुनिया में जगह दिलाई। मोहन भागवत ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, हर साल दुनिया में भारत का गौरव बढ़ रहा है। यहां (भारत में) आयोजित जी 20 शिखर सम्मेलन विशेष था। भारतीयों के आतिथ्य की प्रशंसा की गई। विभिन्न देशों के लोगों ने हमारी विविधता का अनुभव किया। उन्होंने हमारे कूटनीतिक कौशल के साथ-साथ हमारी ईमानदारी को भी देखा। हमारे नेतृत्व ने भारत को विश्व में एक स्थान दिलाया।''

कुछ लोग हैं जो नहीं चाहते कि भारत आगे बढ़े-भारत ने पिछले साल 1 दिसंबर को बाली में शिखर सम्मेलन में जी20 की अध्यक्षता संभाली थी और नवंबर के अंत तक इस पद पर बने रहेंगे। आरएसएस प्रमुख उन ताकतों के प्रति भी आलोचनात्मक थे जिनके बारे में उन्होंने कहा था कि वे भारत के आगे बढ़ने के रास्ते में खड़ी हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा, दुनिया में और भारत में भी कुछ लोग हैं जो नहीं चाहते कि भारत आगे बढ़े... वे समाज में गुट और झगड़े पैदा करने की कोशिश करते हैं। हमारी अज्ञानता और विश्वास की कमी के कारण, हम भी कभी-कभी ऐसा करते हैं। इसमें उलझे रहते हैं और अनावश्यक उपद्रव पैदा करते हैं...अगर भारत आगे बढ़ता है, तो वे अपना खेल नहीं खेल पाएंगे; इसलिए, वे लगातार विरोध करते हैं। वे सिफ्र विरोध के लिए विशेष विचारधारा अपनाते हैं।''

SPACE AVAILABLE
FOR ADVERTISEMENT
CALL NOW
+1 (408) 917-0060

हमास की खैर नहीं, गाजा पर जमीनी हमले से पहले इजराइल ने तेज की बमबारी

तेल अवीव -इजरायल और हमास आतंकियों के बीच जंग सात अक्टूबर से जारी है। इजरायली सेना जमीनी हमले से पहले गाजा पट्टी में बमबारी बढ़ा दी है। इससे मरने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। गाजा के 20 लाख से अधिक लोगों के पास भोजन, पानी और दवा की कमी हो गई है।

गाजा में अब तक का सबसे घातक युद्ध-24 अक्टूबर यानी मंगलवार को युद्ध अपने 18वें दिन में प्रवेश कर गया है। यह गाजा में हुए पांच युद्धों में सबसे घातक है। अमेरिकी रक्षा विभाग सैन्य सलाहकारों को भेजकर इजरायल को उसकी युद्ध योजना में सहायता कर रहा है। वहीं, बेरूत में बमबारी में अमेरिकियों की मौत के 40 साल बाद अमेरिकी सेना फिर से भूमध्य सागर के पूर्व में तैनात हो गई है। हमास आतंकियों के साथ हो रहा यह युद्ध इजरायल की आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली को अब तक की सबसे कठिन चुनौती दे रहा है। फलस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने सोमवार को देर रात जारी एक बयान में कहा कि इजरायल-हमास युद्ध में उसके छह कार्यकर्ता मारे गए हैं, जिससे अब मरने वालों की कुल संख्या 35 हो गई है। इजरायल ने शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत बढ़ा दी है, जो 19 अक्टूबर से शुरू होना था। यूनिवर्सिटी हेड्स एसोसिएशन ने फैसला किया है कि तीन दिसंबर से पहले पढ़ाई शुरू नहीं होगी इजरायल ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटे में गाजा पट्टी में 320 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा है कि सात अक्टूबर को इजरायल पर हमास के हमले के समय लापता हुए उसके तीन नागरिकों में से अंतिम नागरिक भी मार दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक स्पेशल इन्वेस्टीगेटर ने कहा है कि इजरायल को हमास के खिलाफ हमले के समय नागरिकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। स्कूलों, अस्पतालों और लोगों को निशाना बनाने पर प्रतिबंध है। फलस्तीन के 5087 नागरिकों की मौत-फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो इस जंग में अब तक उसके 5,087 नागरिक मारे गए हैं, जबकि 15, 270 लोग घायल हो गए हैं। वहीं, कब्जे वाले वेस्ट बैंक में अब तक 96 फलस्तीनी मारे गए, जबकि 1650 घायल हुए हैं।

इजराइल की आखिरी चेतावनी, मदद की तीसरी खेप पहुंची गाजा, हमास व सेना का टकराव जारी

गाजा -हमास- इजरायल के बीच 17वें दिन भी युद्ध जारी है, यहां तक कि यह दिन-ब-दिन काफी हिंसक होता जा रहा है। 17वें दिन इजरायली सेना ने गाजा-लेबनान सीमा पर एयर स्ट्राइक कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। दरअसल, इजरायली प्रधानमंत्री के आदेशों के बाद

सेना ने हमास को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए अपनी कार्रवाई जारी रखी है। इजरायल ने इसके खात्मे के लिए एक स्पेशल फोर्स को गाजा बॉर्डर पर तैनात किया है। इजरायल की सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्लाह के अन्य ठिकानों पर भी हमला किया है। वहीं, हिजबुल्लाह ने सोमवार को कहा कि इजरायली सेना की कार्रवाई में उसका एक लड़ाका मारा गया है।

फलस्तीनी समूह ने किया दावा-इसी बीच, फलस्तीनी समूह की सशस्त्र शाखा इज अल-दीन अल-कसम ब्रिगेड ने रविवार को कहा कि हमास के लड़ाके गाजा पट्टी में घुसपैठ करने वाली इजरायली सेना के साथ उलझ गई और उन्हें उल्टे पैर वापस भेज दिया। इतना ही नहीं, फलस्तीनी लड़ाकों ने इजरायली सैन्य उपकरणों को भी नष्ट कर दिया। इजरायल की ओर से नहीं आया बयान-समूह ने एक बयान जारी करते हुए कहा, लड़ाकों ने घुसपैठ करने वाले बल से मुकाबला किया, दो बुलडोजर और एक टैंक को नष्ट कर दिया और बल को वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। इजरायली उपकरण या वाहनों के विनाश के बारे में इजरायली सेना की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई।

यूरोप के मंत्री गाजा में सहायता देने पर कर रहे चर्चा-गाजा में ईंधन पहुंचाने में मदद करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री सोमवार को बैठक की। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा, जोर बिजली और पानी उपलब्ध कराने वाले अलवणीकरण संयंत्रों को फिर से चालू करने पर होना चाहिए। पानी और बिजली के बिना, अस्पताल मुश्किल से काम कर सकते हैं।

विश्व नेताओं ने मानवतावादी कानून का पालन करने का आह्वान- विश्व के कई नेताओं ने रविवार को इजरायल और हमास के बीच विवाद के बारे में बात की। उन्होंने इजरायल और आतंकवाद के खिलाफ अपनी रक्षा करने के अधिकार के लिए अपना समर्थन दोहराया और नागरिकों की सुरक्षा सहित मानवीय कानून का पालन करने का आह्वान किया।

गाली देना लोगों को बांटना भाजपा की परंपरा भाजपा के पोस्टर से सीएम बघेल का प्रहार

रायपुर -छत्तीसगढ़ के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार सुबह दशहरा के अवसर पर कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए पोस्टर जारी किया तब मुख्यमंत्री ने तत्काल पलटवार करते हुए कहा कि पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों को गाली देना ठाकुर रमन सिंह और उनकी पार्टी की परंपरा रही है। छत्तीसगढ़ में हो रहे विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दल अब त्यौहार के माध्यम से भी एक दूसरे पर हमला करने से नहीं चूक रहे हैं।

'इस बार होगा भ्रष्टाचार के रावण का दहन'-मंगलवार को दशहरे की सुबह भाजपा की राज्य इकाई ने

सोशल मीडिया 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर 'इस बार होगा भ्रष्टाचार के रावण का दहन'... नाम से एक पोस्टर जारी किया। पोस्टर में कुर्ता पजामा पहना हुआ एक कार्टून बनाया गया है जिसे 'ठगेश' नाम दिया गया है। इस कार्टून के दस सिर बनाए गए हैं और सिरों का नाम ट्रांसफर घोटाला, जिहादगढ़, कोयला घोटाला, चावल घोटाला, पीएससी घोटाला, शराब घोटाला, गोबर घोटाला, धर्मांतरण, हत्या और बलात्कार रखा गया है। यह कथित रावण 'भ्रष्टाचार' रूपी हथियार पकड़ा हुआ है। कार्टून में भगवा टी शर्ट पहना हुआ छत्तीसगढ़िया 'अउ नहीं सहिबो, बदल के रहिबो' (और नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे) कह कर इस दस सिर वाले कथित रावण को अग्नि बाण मार रहा है। भूपेश बघेल का पलटवार -भाजपा के इस पोस्टर के बाद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों को गाली देना ठाकुर रमन सिंह और उनकी पाटीज़ की परंपरा रही है।'' बघेल ने लिखा है, ''जाने दीजिए! पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों को गाली देना ठाकुर रमन सिंह और उनकी पार्टी की परंपरा रही है।

भाजपा की पहली सूची में आलाकमान तो दूसरी में वसुंधरा राजे का दिखा दमखम

जयपुर- राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा ने प्रत्याशियों की दो-दो लिस्ट जारी की है। कुल दो सौ सीटों में से भाजपा अब तक 124 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर चुकी है। वहीं, कांग्रेस ने 76 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है।आलाकमान की मर्जी से बनी पहली लिस्ट-भाजपा की पहली लिस्ट पूरी तरह से पार्टी आलाकमान की मर्जी से बनी, जिसमें 41 में से 13 प्रत्याशियों का विरोध पिछले 16 दिन से जारी है। वहीं, दूसरी लिस्ट में पहली लिस्ट जारी होने के बाद उठे विरोध के स्वर को शांत करने की कोशिश की गई। प्रदेश के सभी बड़े नेताओं को टिकट और महत्व देकर विरोध के स्वर थामने का प्रयास हुआ।

दूसरी लिस्ट में वसुंधरा राजे को साधने की कोशिश

दूसरी लिस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को साधने का पूरा प्रयास किया गया है। उनके समर्थकों को महत्व देकर संदेश देने की कोशिश की गई कि वसुंधरा अभी सीएम पद की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। ऐसा करने से सबसे मजबूत वसुंधरा खेमा पार्टी को जीत दिलवाने में जुटा रहेगा। पहली लिस्ट में सात सांसदों को टिकट देने से पार्टी नेताओं में नाराजगी बढ़ी तो दूसरी लिस्ट में एक भी सांसद को टिकट नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा महान क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी के निधन पर दुख व्यक्त

चंडीगढ़, -पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और प्रसिद्ध स्पिन्नर बिशन सिंह बेदी के सोमवार को नयी दिल्ली में हुए निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने इस महान स्पिन्नर के निधन को क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ा घाटा बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट के इतिहास में अपने साथी चार स्पिन्नरों के साथ मिलकर की घातक स्पिन्न गेंदबाजी के लिए बेदी को 'सरदार आफ स्पिन्न' के नाम के साथ जाना जाता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बिशन सिंह बेदी का निधन विश्व क्रिकेट में भारतीय स्पिन्नरों के सुनेहरी दौर का अंत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रसिद्ध स्पिन्नर को खेल इतिहास में याद किया जाएगा।

अस्वस्थता के कारण विजीलेंस के समक्ष पेश नहीं हुए मनप्रीत

बठिंडा 2- बेशक पूर्व वित्तमंत्री मनप्रीत बादल को प्लाट मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत लेने में सफल हो गए हैं, लेकिन विजिलेंस अभी भी उनका पीछा छोड़ती नजर नहीं आ रही है। जमानत मिलने के बाद विजिलेंस ब्यूरो बठिंडा ने पूर्व वित्तमंत्री और भाजपा नेता मनप्रीत बादल को एक और समन जारी किया।उन्हें आज सोमवार को सुबह साढ़े 10 बजे विजिलेंस ब्यूरो रेंज बठिंडा कार्यालय में पेश होना था। लेकिन पीठ दर्द के चलते बादल विजिलेंस के सामने नहीं पेश हो पाए। इसके अलावा उन्हें विदेश जाने से रोकने के लिए उनका पासपोर्ट भी जमा करने को कहा गया था, जोकि उन्होंने अपने एडवोकेट के द्वारा विजिलेंस ऑफिस में सौंप दिया।

बता दें विजिलेंस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हालांकि कोर्ट से जमानत मिल गई है, लेकिन इस मामले में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। जिसके बारे में मनप्रीत बादल से पूछताछ की जानी अति जरूरी है। पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल सोमवार को विजिलेंस के सामने पेश नहीं हुए।

कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा पुख्ता होगी तभी वीजा जारी करेंगे-जयशंकर

नई दिल्ली 23 अक्तूबर (निस) कनाडा और भारत के बीच चल रही राजनयिक तनातनी के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कर दिया कि भारत को वीजा सेवा शुरु करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा में प्रगति होना चाहिए।जयशंकर ने एक कार्यक्रम में भारत-कनाडा संबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''यदि हमें कनाडा में अपने राजनयिकों की सुरक्षा में प्रगति दिखती हैं, तो हम वहां वीजा जारी करना फिर से शुरू करना चाहेंगे। भारत में कनाडा की राजनयिक उपस्थिति कम करने पर उन्होंने कहा कि राजनयिक संबंधों पर विएना संधि में राजनयिक समानता प्रदान की गई है।

जयशंकर ने कहा, ''विएना संधि द्वारा समानता प्रदान की गई है, जो इस पर प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय नियम है। हमारे मामले में, हमने समानता का आह्वान किया क्योंकि हमें कनाडाई कर्मियों द्वारा हमारे मामलों में लगातार हस्तक्षेप को लेकर चिंता थी। कनाडा अपने 41 राजनयिकों को पहले ही भारत से वापस बुला चुका है। बता दें कि गत जून में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता संबंधी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा पिछले महीने आरोप लगाये जाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव में आ गया है। ट्रूडो के आरोपों के कुछ दिनों बाद, भारत ने कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करना अस्थायी रूप से निलंबित करने की घोषणा की और ओटावा से भारत में अपनी राजनयिक उपस्थिति कम करने को कहा।

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने बृहस्पतिवार को भारत से राजनयिकों की वापसी की घोषणा करते हुए भारत के कदम को ''अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत और राजनयिक संबंधों पर जिनेवा संधि का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया है। भारत पहले ही इस आरोप को खारिज कर चुका है। जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच संबंध अभी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत को कनाडा की राजनीति के कुछ हिस्से से दिक्कत है।

भगवान श्री राम ने विश्व के कल्याण के लिए अपना घर त्याग कर बुराइयों का अंत किया

पिहोवा, - : आठवें दिन की रामलीला में सीता की खोज में राम और लक्ष्मण के किष्किंधा पर्वत पर पहुंचने, हनुमान से मिलने और उनके माध्यम से सुग्रीव से मित्रता होने। बाद में बालि-सुग्रीव के बीच युत्र के दौरान एक पेड़ की ओट से राम द्वारा बालि के वध की लीला का मंचन किया गया। पिहोवा नगर की प्राचीन श्री सरस्वती राम नाटक क्लब रामलीला का शुभारंभ आठवीं दिन श्री जनक राज सिंगला,वीजा वाइड प्रा लिमिटेड के एम डी हरिओम अग्रवाल,वानर सेवा दल, नेता विकास गर्ग ,बिल्ला जमरेड़ी पूर्व सरपंच विहिप प्रखंड पिहोवा कार्याकारिणी योगेश दत्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत हुआ। विघ्नहर्ता गणेश की विधिवत पूजा व आरती की ।इस अवसर पर रामलीला समिति के रामलीला के महाप्रबंधक गोपाल कौशिक ,पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि को अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।मुख्यअतिथि ने सम्बोधित करते हुए कहा की रामलीला के माधयम से हम अपने संस्कारों को संजोये रखने का एक सशक्त साधन हैं ।पश्चिमी सभ्यता अपने रिश्तों को स्वार्थ के वशीभूत होकर देखते हैं लेकिन हमरी सनातन संस्कृति विश्व के हर प्राणी को अपना समझकर सहयोग करती है। भगवन श्री राम ने पितृ धर्म , मातृ धर्म, भ्राता धर्म व राजधर्म बड़ी श्रद्धा निभाया। भगवान् श्री राम ने विश्व के कल्याण के लिए अपना घर त्याग कर बुराइयों का अंत करने के लिए महा पराक्रमी रावण का वध किया था ताकि शांति को चाहने वाले धर्माचरण कर सकें। हमें भगवान् श्री राम के आदर्शों और कर्तव्यों का अनुसरण करना चाहिए ,और अपनी भावी पीढ़ी को रामलीला जैसे अनेकों धार्मिक संस्कारों से जोड़ कर रखना चाहिए। आधुनिकता के साथ साथ अपने अतीत को भी अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए तभी हम विश्वगुरु बन पाएंगे। रामलीला के आठवें दिन मंच संचालन उमाकांत शास्त्री ने किया। आठवें दिन की रामलीला में सीता हरण के बाद राम और लक्ष्मण सीता की खोज में वनों में भटक रहे होते हैं। उसी समय जटायु उन्हें रावण द्वारा सीता का हरण किए जाने की सूचना देते हैं तो राम और लक्ष्मण लंका की ओर बढ़ते हैं। बीच में किष्किंधा पर्वत पर राम की हनुमान से भेंट होती है। हनुमान उन्हें सुग्रीव से मिलाते हैं। सुग्रीव राम के मित्र बनकर उनकी सहायता का वचन देते हैं। सुग्रीव राम को अपने भाई बालि के अत्याचारों के बारे में बताता है। बालि और सुग्रीव के बीच ही राम बालि का वध कर देते हैं। ।राम सेवकों जामवंत सुग्रीव, नल नील ने हनुमान को लंका जाने का आग्रह किया और सीता जी का पता लगाने के लिए हनुमान जी की शक्तियों को याद दिलाया जी सीता की खोज के लिए, पराक्रमी बाहुबली रावण की लंका में भेजा । सुग्रीव बने नवीन बिंट्टा,बाली बने राकेश पुरोहित व हनुमान की सशक्त भूमिका राघव सिंगला ने अपने अभिनय द्वारा दशकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर ,रामलीला के महाप्रबंधक गोपाल कौशिक, पवन कौशिक,नाथी राम धीमान ,नगर पालिका व रामलीला प्रधान आशीष चक्रपाणि ,सुभाष पौलस्त्य ,कलाकार प्रधान जयपाल कौशिक पार्षद उप प्रधान ,धर्मवीर अत्री ,रघुवीर शर्मा,योगेश लक्की ,विजय कौशिक ,संजय कौशिक ,राधेश्याम सिंगला ,बंटी वर्मा ,पार्षद रविकांत कौशिक,संजीव चावला पार्षद प्रतिनिधि सुरिंदर ढींगरा,पार्षद विकास चोपड़ा और खेता राम,शिव सागर ,भीम सैन पुंडीर आदि उपस्थित थे।

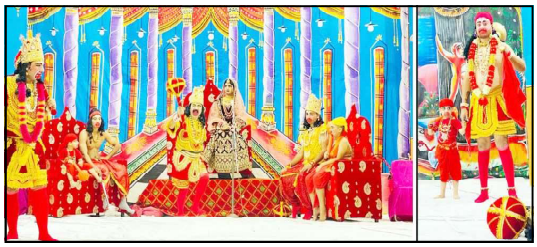

सोलर टयूबवेल के आवेदन के लिए पोर्टल शुरु

पानीपत,- ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का उपयोग कर कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से किसानों को सौर ऊर्जा पंप पर 75 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जा रही है। हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में एक अहम पहल की है, जो राज्य के किसानों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रही है। श्रीमती वीना हुड्डा, एच् सी एस, अतिरिक्त उपायुक्त पानीपत ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से किसानों को प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा उत्थान महाभियान यानी पीएम-कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा से चालित सोलर टयूबवेल अनुदान पर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। एडीसी ने बताया कि 3 एचपी से 10 एचपी सोलर पम्प पम्प के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है। इस वर्ष के लक्षित लाभार्थियों का चयन परिवार की वार्षिक आय व भूमि धारण के आधार पर किया जाएगा। लक्षित लाभार्थी आवेदन उपरांत दोबारा पोर्टल खुलने पर सूचीबद्ध कंपनी का चयन करके अपना लाभार्थी हिस्सा जमा करवा सकेंगे, जिसकी सूचना उनके मोबाइल नम्बर एवं विभाग की वेबसाइट पर प्राप्त होगी।अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि किसान सोलर पम्प लेने केलिए अपना आवेदन विभाग के पोर्टल सरलहरियाणा.जीओवी.इन पर 7 नवम्बर 2023 तक कर सकते है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को पीएम-कुसुम योजना के तहत सिंचाई कार्य के लिए यह अनूठी पहल की गई है। पानी और बिजली की बचत करने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा पारंपरिक ट्यूबवैलों की जगह सोलर पंप सेट और सिंचाई के पुराने पैटर्न की जगह माइक्रो इरीगेशन पर फोकस किया जा रहा है। इस बारे अधिक जानकारी के लिए कमरा न. 223, दूसरी मंजिल, जिला सचिवालय, पानीपत में संपर्क कर सकते हैं ।

लोक कला रंगोत्सव में हरियाणा, राजस्थान तथा पंजाब के लोक नृत्यों की प्रस्तुति

पिंजौर, - संस्कार भारती पंचकूला एवं न्यू इंडिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पिंजौर के संयुक्त तत्वावधान में स्कूल के ऑडोटोरियम में विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं का आयोजन लोककला रंगोत्सव के कार्यक्रम में किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए संस्कार भारती, पंचकूला के अध्यक्ष सुरेश गोयल तथा न्यू इंडिया सीनियर सैकेंडरी स्कूल के चेयरमेन कुसुम कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्यों की ऐतिहासिक संस्कृति को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में हरियाणा के प्रसिद्ध लोक कलाकार डॉ. हरविंदर राणा एवं साथियों द्वारा हरियाणा, राजस्थान व पंजाब के लोक गायन, वादन व नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की कोषाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लतिका शर्मा तथा विशिष्ठ अतिथि के तौर पर नगर परिषद कालका के चेयरमेन कृष्ण लाल लांबा एवं पवन, पार्षद उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के चेयरमैन कुसुम कुमार गुप्ता ने की। कालका के पार्षद पवन कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में स्कूल के विद्यार्थियों एवं अन्य सभी लोक कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता हैं । जिससे विद्यार्थी अपनी संस्कृति और परंपरा से अवगत हो सकें। उन्होंने कहा कि लोककला हमारे संस्कारों को लेकर चलती है और प्रांत के इतिहास का दर्शन इन लोकनृत्यों में होता है। कार्यक्रम का आगाज अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा न्यू इंडिया स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा संस्कार भारती के ध्येय गीत की प्रस्तुति के साथ की गई। स्कूल की छात्रा लक्षिता द्वारा सरस्वती वंदना पर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। डॉ. हरविंदर राणा ने अपनी खास प्रस्तुति भगवान शिव की आराधना करते हुए बम लहरी गीत प्रस्तुत किया। विभिन्न लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए और विद्यार्थियों ने खूब आनंद लिया। सभी दर्शक झूम रहे थे। स्कूल के सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा लोक कलाकारों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल की अध्यापिका डॉ. स्वाती कौंडल तथा संस्कार भारती के उपाध्यक्ष सर्वप्रिय निर्मोही द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में संस्कार भारती उत्तर क्षेत्र प्रमुख नवीन शर्मा, अध्यक्ष सुरेश गोयल, उपाध्यक्ष सर्वप्रिय निर्मोही, मंत्री सतीश अवस्थी, सहमंत्री मयंक बिंदल, प्रचार प्रसार प्रमुख तरुण श्याम बजाज, कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता, जोगिंदर अग्रवाल, सह व्यवस्था प्रमुख, सहचित्रकला प्रमुख मीनाक्षी जैन एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

59वां सामूहिक विवाह, ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर वितरण समारोह 28 को

शाहाबाद मारकंड-: ऋषि मारकंडेय प्राकट्य दिवस एवं शरदपूर्णिमा के उपलक्ष्य में 59वां सामूहिक विवाह समारोह 28 अक्तूबर को श्री मारकंडेश्वर मंदिर सभा द्वारा मंदिर परिसर में मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सभा के प्रधान ऋषि गंभीर ने बताया कि 27 अक्तूबर को भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें भजन गायक पारस लाडला व गायिका माधवी द्वारा गुणगान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भजन संध्या में मुख्य यजमान नरेंद्र गर्ग, ज्योति व विजय बठला, राजेश चावला, राज सतीजा होगें। जबकि 28 अक्तूबर को सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान ट्राई साईकिल, व्हीलचेयर व श्रवण यंत्र भी वितरित किए जाएंगे।

दानिशवीर किरन ने जीते दो पदक

पटियाला -डीएवी पब्लिक स्कूल की छात्रा दानिशवीर किरन ने 'खेडां वतन पंजाब दीयाँ' के दौरान तीर अंदाज़ी में दो कांस्य पदक जीतकर अपने अध्यापकों, कोच और माता-पिता का नाम रोशन किया है। यह खेल हाल ही में पोलो ग्राउंड पटियाला में संपन्न हुए हैं। दानिशवीर ने अंडर-14 आयु वर्ग में ओलंपिक राउंड और रैंकिंग राउंड में कांस्य पदक जीते हैं। वह डीएवी पब्लिक स्कूल में पाँचवीं कक्षा की छात्रा है। दानिशवीर ने बताया कि कोच सुरिंदर सिंह रंधावा, सहायक कोच विशु वर्मा, स्कूल प्रिंसिपल विवेक तिवारी और मां डा. आशा किरण के मार्गदर्शन और कोचिंग की बदौलत वह सफलता की ओर पहला कदम बढ़ा सकी हैं। भविष्य में वह अपने खेल में और अधिक मेहनत और लगन सफलता की नई ऊँचाइयाँ हासिल करके पंजाब और देश का नाम रोशन करना चाहती है। दानिशवीर पंजाबी यूनिवर्सिटी की तीरंदाजी रेंज में रोज़ाना अभ्यास करती है। दानिशवीर के माता डा. आशा किरन गवर्नमेंट को-एड मल्टीपर्पज सीनियर सेकेंडरी स्मार्ट स्कूल, पटियाला में भूगोल की लेक्चरर और प्रसिद्ध पर्यावरणविद् हैं।

लुटेरों का आतंक, फिल्मी अंदाज में हाईवे पर दिया वारदात को अंजाम

बरनाला- बरनाला संगरूर हाईवे पर 4-5 नकाबपोश लुटेरों ने संगरूर के एक व्यापारी को अगवा कर लिया और उसके पास से 50 लाख की फिरौती मांगी। घटना संबंधी जानकारी देते हुए संगरुर के व्यापारी यशपाल ने बताया कि उसके भतीजे विक्रम की बठिंडा में बुलेट मोटरसाइकिलों की एजेंसी है। वह शाम 7 बजे के करीब बठिंडा से संगरुर की ओर आ रहा था पर एक अज्ञात गाड़ी उसकी इनोवा गाड़ी के पीछें लग गई और बड़बर के पास अपनी गाड़ी आगे लगा कर उसकी गाड़ी को रोक लिया और 4-5 नकाबपोश व्यक्ति उसकी गाड़ी में बैठ गए और उसे अगवा कर लिया। इसके बाद उससे 50 लाख रुपए फिरौती की मांग की तो उसके भतीजे ने उन्हें कहा कि उसके पास इतने पैसे इस समय नही हैं तो उन्होंने कहा कि फोन कर घर से मंगवा लो। नकाबपोश लुटेरों ने खेतों में उसके भतीजे को छिपा दिया। उसके भतीजे ने घर फोन कर रहा कि उसकी गाड़ी खराब हो गई है। इसके लिए आप पैसे भेज दो तो घर 7 लाख रुपए थे, वह भेज दिए तो उक्त लुटेरे 7 लाख रुपए लेकर धूरी के नजदीक उसके भतीजे को गाड़ी सहित छोड़ गए। इस संबंध में जब एस.एस.पी. संदीप मलिक के साथ बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि थाना घनौला में अज्ञात लुटेरों खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है। जल्द ही उक्त लुटेरों को काबू कर लिया जाएगा।

नहीं बंद हो रहा सिलसिला, केंद्रीय जेल बनी मोबाइल फोनों का गढ़

फिरोजपुर- केंद्रीय जेल फिरोजपुर में गुप्त सूचना के आधार पर सहायक सुपरिंटेंडेंट सुखजिंदर सिंह और सहायक सुपरिंटेंडेंट निर्मलजीत सिंह के नेतृत्व में तलाशी लेने पर जेल के स्टाफ को 2 मोबाइल फोन मिले हैं, जिसे लेकर थाना सिटी फिरोजपुर की पुलिस ने जेल अधिकारियों द्वारा भेजे गए लिखती पत्रों के आधार पर कैदी चरणजीत सिंह उर्फ चीना और अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं ।यह जानकारी देते हुए ए.एस.आई. गुरमेल सिंह ने बताया कि जेल अधिकारियों द्वारा भेजे गए लिखती पत्र में बताया गया है कि जब उन्होंने पुरानी बैरक नंबर 10 की तलाशी ली तो वहां पर बंद कैदी चरणजीत सिंह उर्फ चीना से सिम कार्ड के साथ एक ओप्पो टच स्क्रीन मोबाइल फोन बरामद हुआ और ब्लॉक नंबर 2 की बैरक नंबर 5 की जब तलाशी ली गई तो वहां पर लावारिस हालत में बिना सिम कार्ड के सैमसंग कीपैड मोबाइल फोन मिला।

नशे खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, हेरोइन व ड्रग मनी सहित आरोपी काबू

गुरदासपुर -जिला पुलिस गुरदासपुर अधीन धारीवाल पुलिस ने एक आरोपी को काबू कर उससे 15 ग्राम हेरोइन व 15 हजार रुपए ड्रग मनी बरामद की। इस संबंधी जानकारी देते हुए सब इन्सपेक्टर जनक राज ने बताया कि उसने पुलिस पार्टी के सहित धारीवाल कब्रिस्तान के पास से आरोपी रोहित मसीह उर्फ काका पुत्र रजिन्द्र मसीह निवासी माडल टाऊन धारीवाल को शक के आधार पर काबू कर उसकी तालाशी ली तो उससे बरामद प्लास्टिक लिफाफे में से 15 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उसकी तालाशी लेने पर उसकी जेब से 15 हजार रुपए ड्रग मनी बरामद हुई। आरोपी को एन.डी.पी.एस.एकट अधीन गिरफ्तार किया गया। आरोपी इलाके में नौजवानों को हेरोइन बेचता है।

दहशत फैलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फिरोजपुर -सोमवार देर रात झगड़े के दौरान गोलियां चला दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सिटी के ए.एस.आई. गहना राम ने बताया कि सोमवार देर रात सूचना मिली कि बांसी गेट चौक के समीप दो युवक रिवॉल्वर से गोलियां चला रहे हैं जिससे आसपास रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। तुरंत वहां पहुँच कर परविन्द्र सिंह निवासी आजाद नगर और मनप्रीत शर्मा निवासी विकास विहार को 1 रिवॉलवर 32 बोर सहित हिरासत में लिया गया।

मैं अपने फैसले पर कायम हूं...समलैंगिक विवाह के मामले पर सीजेआई की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली चीफजस्टिस ऑफइंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि समलैंगिक विवाहों को अनुमति देने के लिए पूरी तरह से एक नयी विधायी व्यवस्था बनाना संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसके लिए विशेष विवाह अधिनियम के प्रावधानों को रद्द करना बीमारी से भी बदतर नुस्खा प्रदान करने जैसा होगा। समलैंगिक विवाह संबंधी हाल के फैसले और भारतीय न्यायपालिका के अन्य प्रमुख पहलुओं पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने ये टिप्पणियां जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर, वाशिंगटन और सोसाइटी फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (एसडीआर), नयी दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरी तुलनात्मक संवैधानिक कानूनी चचाऱ में कीं। चर्चा का विषय 'भारत और अमेरिका के सवोच्च्च न्यायालयों के परिप्रेक्ष्य से' था। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) इस समय अमेरिका में हैं। उन्होंने विशेष विवाह अधिनियम का उल्लेख किया और कहा कि यह विभिन्न धर्मों से संबंधित विषमलैंगिकों के विवाह संबंधी मामलों से निपटने के लिए एक धर्मनिरपेक्ष कानून है और समलैंगिक विवाह की अनुमति न देने के लिए इसके कुछ प्रावधानों को बरकरार रखना उचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, ''यह तर्क दिया गया था कि विशेष विवाह अधिनियम भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह केवल विषमलैंगिक जोड़ों पर लागू होता है। अब, यदि न्यायालय उस कानून को रद्द कर देता है, तो परिणाम वैसा होगा जैसा मैंने अपने फैसले कहा था, यह स्वतंत्रता से भी पहले की स्थिति में जाने जैसा होगा, जो यह थी कि विभिन्न धर्मों से संबंधित लोगों के विवाह के लिए कोई कानून नहीं था।''

साल 2030 तक जापान को पछाड़ कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है भारत

नई दिल्ली 24 अक्तूबर (निस) एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस ने पीएमआई के लेटेस्ट डेटा के मुताबिक भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक 2030 तक 7.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ भारत, जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।

भारत की जीडीपी निरंतर मजबूत- एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के डेटा के मुताबिक भारत की साल 2021 और 2022 से जारी तेज आर्थिक वृद्धि के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था कैलेंडर वर्ष 2023 में भी निरंतर मजबूती दिखा रही है। एसएंडपी के आंकड़ो के मुताबिक मार्च 2024 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.2-6.3 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जो इस वित्तीय वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी। अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत थी। पिछले 10 साल में भारत में फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट (एफडीआई) में आई तेजी, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल लॉन्ग टर्म ग्रोथ को दर्शाती है।

2030 तक जर्मनी भी छूट सकता है पीछे-एसएंडपी का अनुमान है कि साल 2030 तक भारत की जीडीपी जर्मनी से भी आगे निकल सकती है। आपको बता दें कि पिछले साल ही भारत, ब्रिटेन को पछाड़ दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना था।

सत्ता में बैठे लोग युवाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते, रोजगार देना प्राथमिक कर्तव्य-शरदपवार

पुणे -राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि अगर सरकार में शामिल लोग सत्ता बरकरार रखना चाहते हैं तो वे महाराष्ट्र में युवा संघर्ष यात्रा निकाल रहे युवाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। महाराष्ट्र में युवाओं के सामने आने वाले मुद्दों को सामने लाने के लिए पुणे से नागपुर तक निकाले जा रहे पैदल मार्च युवा संघर्ष यात्रा को हरी झंडी दिखाते हुए पवार ने यह बात कही। मार्च का नेतृत्व राकांपा विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार कर रहे हैं। मार्च में शामिल युवा 800 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 13 जिलों की यात्रा करेंगे। 45 दिवसीय युवा संघर्ष यात्रा राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान नागपुर में समाप्त होगी। शरद पवार ने कहा यह मार्च राज्य के युवाओं को प्रोत्साहित करेगा और मुझे यकीन है कि इस युवा संघर्ष यात्रा से परिवर्तन और आपकी मांगों को पूरा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस यात्रा का सबसे अच्छा उदाहरण यह है कि जिस क्षण आपने इसे (मार्च) शुरू करने का फैसला किया सरकार ने संविदा भर्ती का निर्णय वापस ले लिया।

देश की सीमाओं की रक्षा करने में सैनिकों की भूमिका सराहनीय, हम सदा शांति बनाए रखने के पक्षधर

तवांग सैक्टर में राजनाथ सिंह ने सैनिकों के साथ मनाई विजयदशमी, शस्त्र पूजा की

तवांग- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शस्त्र पूजन किया और एक अग्रिम सैन्य स्थल पर सेना के जवानों के साथ दशहरा मनाया। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की सैन्य तैयारियों की व्यापक समीक्षा की और अटूट प्रतिबद्धता और अद्वितीय साहस के साथ सीमा की रक्षा करने के लिए सैनिकों की सराहना की। रक्षा मंत्री ने कहा कि देशवासियों को भारतीय सेना के जवानों पर गर्व है। बुम-ला और कई अन्य अग्रिम चौकियों का दौरा करने के बाद सैनिकों के साथ बातचीत में सिंह ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से देश के सैन्य कौशल को मजबूत करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आप कठिन परिस्थितियों में जिस तरह से सीमा की रक्षा कर रहे हैं, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि देश के लोगों को आप पर गर्व है।''

तवांग में शस्त्र पूजा के साथ विशेष प्रार्थनाएं की

रक्षा मंत्री ने कठिन परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राष्ट्र और उसके लोग सुरक्षित हैं, सैनिकों के प्रति उनकी 'दृढ़ भावना, अटूट प्रतिबद्धता और अद्वितीय साहस' के लिए आभार व्यक्त किया। तवांग में सैनिकों के साथ शस्त्र पूजा (हथियारों की पूजा) करने के बाद, उन्होंने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अपने संबोधन में उन्होंने सशस्त्र बलों के बहादुर जवानों की 'सच्चाई और धर्म' को विजयदशमी के त्योहार के लोकाचार का जीवंत प्रमाण बताया।

'भारत अब सबसे शक्तिशाली देशों में से एक'

रक्षा मंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों की वीरता और प्रतिबद्धता वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते कद के पीछे मुख्य कारणों में से एक है और यह अब सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है। सिंह ने आथिज़्क क्षेत्र में भारत की सफलता को देश की बढ़ती वैश्विक छवि के कारणों में से एक बताया। लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अगर सशस्त्र बलों ने देश की सीमा की प्रभावी ढंग से रक्षा नहीं की होती, तो इसका कद नहीं बढ़ता।

नफरत की लड़ाई में डाक्टर और अस्पताल भी सुरक्षित नहीं

-सनत जैन

इंसानियत किस तरह से दम तोड़ रही है। इसका उदाहरण है गाजा की अस्पताल में इजरायल सेना द्वारा भीषण बमबारी की गई। इसमें 500 से ज्यादा बच्चों, बीमार और डॉक्टरों की मौत हो गई। इसके बाद भी मानवीय संवेदना इजरायल के प्रधानमंत्री में देखने को नहीं मिली। निरपराध, निसहाय, औरतों और बच्चों पर जिस तरीके का कहर ढाया गया। उससे मानवता न केवल शमाशज़र हुई है, वरन मानव के रूप में राक्षस मिल हो रहे हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कानून के होते हुए, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगातार अपील किए जाने के बाद भी जिस तरह से इजरायली सरकार द्वारा नफरत की आग में जलते हुए, अस्पताल को निशाने पर लिया गया। फिलिस्तीन की पानी, बिजली और खाना की सप्लाई रोककर जिस अमानुषिक ढंग से फिलिस्तीन के नागरिकों के साथ व्यवहार किया जा रहा है। इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। सबसे बड़े आश्चयज़्की बात है कि दुनिया के इतने बड़े-बड़े विकसित और विकासशील राष्ट्र यह सब होते हुए देख रहे हैं। फिलिस्तीन बीच में हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत, इलाज नहीं मिलने और खाद्य सामग्री नहीं मिलने के कारण हो गई। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की भीषण विभीषका से सारी दुनिया के देश वाकिफहै। संयुक्त राष्ट्र संघ और जेनेवा कन्वेंशन की धारा 18 की खुले आम अवहेलना करते हुए, इजराइल ने जिस तरह के से सिविलियन अस्पताल पर हमला किया है। हमला करने के बाद भी जिस तरह से उसे झुठलाने का प्रयास किया है। पानी-बिजली इत्यादि की सप्लाई बंद करके वहां के नागरिकों को घेरकर करने की जो कोशिश की है। उसके बाद भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा कोई उपयुक्त कायज़्वाही इजरायल के ऊपर नहीं की गई। सुयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा केवल ब्यान दिये जा रहे है। इसकी आलोचना सभी देशों के नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रिया के रूप में हो रही है। एक अपवाद को छोड़ दिया जाए, जिसमें सेना के कमांडरों और सैनिकों के खिलाफ कारज़्वाई की गई थी। बोस्निया युद्ध में एक अस्पताल पर जानबूझकर किए गए हमले के मामले में, अंतरराष्ट्रीय कोटज़् में मुकदमा चलाया गया था। 21 साल पहले मानवता के खिलाफ अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए इंटरनेशनल क्रिमिनल कोटज़् का गठन किया गया था। उसमें सजा दी गई थी। उसके बाद से इन 21 वषोज़् में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कोई ऐसी कायज़्वाही नहीं की गई, जिससे यह विश्वास जगे की युद्ध की विभीषिका में घायल और बीमारों को अस्पताल और डॉक्टरों का इलाज मिल सके। युद्ध के दौरान बीमार एवं घायलों

के जीवन को सुरक्षित रख पाए। युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के ठिकानों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इजराइल और गाजा पट्टी की यह घटना कोई नई-नई है। सीएचसी संगठन के अनुसार 2022 में अस्पतालों पर हमले की 1989 घटनाएं हुई है। यूक्रेन में सबसे ज्यादा घटना हुई है। इसके पहले म्यांमार में भी इसी तरीके के हालात बने थे। म्यांमार में 2021 में हुई फौजी बगावत के बाद 800 हेल्थ वकज़्रों को गिरफ्तार किया गया था। 2014 से 2016 के बीच अफ़्ग़ानिस्तान सीरिया और यमन में भी अस्पतालों पर भयावह तरीके से बम बरसाए गए थे। 2015 में कुंदुंज, अफ़्गानिस्तान स्थित ट्रामा सेंटर पर अमेरिकी हवाई हमला भी इसमें शामिल है। इस हमले में उस समय 42 लोगों की मौत हुई थी। पिछले कुछ वषोज़् में कई बड़े युद्ध दुनिया के कई देशों में हुए हैं। इथोपिया,यूक्रेन, सूडान और अब गाजा शामिल है। 7 अक्टूबर के बाद से बेस्ट बैंक और गाजा के अस्पतालों पर 115 से अधिक बार हमले किए जा चुके हैं। इजराइल ने गाजा के अस्पतालों को खुलेआम चेतावनी दी, और अस्पतालों को खाली करने के लिए कहा। युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और रेड क्रॉस सोसाइटी घायलों और बीमारी की मदद के के रूप में सुरक्षा का कवच दिया गया है। यह सुरक्षा कवच भी, अब केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। विकसित एवं विकासशील देश जो आथिज़्क रूप से सक्षम है। वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का ना तो पालन करते हैं, नाही अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का कहना मानते हैं। जिसके कारण अब संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद की उपयोगिता पर प्रश्न चिन्ह लगना शुरू हो गया हैं। अस्पतालों, डॉक्टर और हेल्थ कमिज़्यों को यदि सुरक्षित नहीं रखा गया तो बहुत बड़े पैमाने पर युद्ध के दौरान नागरिकों और सैनिकों की मौतों को रोक पाना संभव नहीं होगा। इजरायल द्वारा गाजा पट्टी के क्षेत्र में लगातार हमने किया जा रहे हैं। अस्पतालों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। इससे बड़ा कोई मानवीय अपराध हो नहीं सकता है। युद्ध के दौरान यदि अस्पताल और डॉक्टर भी सुरक्षित नहीं रहेंगे तो मानवता की सुरक्षा कर पाना संभव नहीं होगा। इजराइल ने नागरिक आबादी को भी अपने निशाने पर लिया है, उससे सारी दुनिया में इजराइल रोष फैलता चला जा रहा है। दुनिया के सभी देशों को इजरायल की इस मामले में न केवल निंदा करनी होगी। वरन, फिलिस्तीन नागरिकों की सुरक्षा के लिये आगे आना होगा। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साख जिस तेजी के साथ गिर रही है, उसके बाद वैश्विक अराजकता चिंता का विषय है। अमेरिका, रूस, चीन जैसे देशों के लिए इस मामले में गंभीर हो जाने की जरूरत है। समय रहते उपयुक्त कार्यवाही नहीं होने पर दुनिया के देशों में अराजकता का नया रूप देखने को मिल सकता है। जो मानव के लिये सबसे बड़ा संकट होगा।

भारत में उन्माद-इसराइल फिलीस्तीन युद्ध से भारत मेंचर्चा तो विदेशों में विभिन्न बड़े समाचार पत्रों तक में हो रही है। ख़ास तौर से भारतीय दक्षिणपंथियों के इस उन्मादी रुख़ पर दुनिया इसलिये भी आश्चर्यचकित है कि स्वयं भारत में मणिपुर कई महीनों से सुलग रहा है। मानवता का गला घोंटने वाले कई बड़े हादसे मणिपुर में भी हो चुके हैं। बस्तियां फूंकना, लोगों को ज़िंदा जलाना, हत्या, सामूहिक बलात्कार, महिलाओं को नग्न घुमाना, मंत्री, सांसद, विधायक, अधिकारियों व नेताओं के घरों को आग लगाना, क्या कुछ नहीं हुआ मणिपुर में। परन्तु उसकी चिंता इन इसराईल समर्थकों को नहीं बल्कि यह इसराईली युद्ध उन्माद के साथ खड़े हैं। ठीक उसी तरह जैसे इनके वैचारिक वंशज उस समय हिटलर के साथ खड़े थे जब वह इन्हीं यहूदियों का नरसंहार करने में लगा था ? गोया धर्म का चोला ओढ़ने वालों को हिंसा व क्रूरता जैसे अधर्म से ही इतना लगाव क्यों ? सवाल यह है कि कबीर, रहीम, रसखान, टीपू सुल्तान, अशफ़ाक़ुल्लाह, बेगम हज़रत महल, रज़िया सुल्तान, अब्दुल हमीद और ए पी जे अब्दुल कलाम जैसे लोगों के देश में यह उन्मादी विचारधारा कहाँ से पनप गयी जिसे मुसलमानों का नरसंहार देखने में ही आनंद मिलता है ? यही वर्ग राष्ट्रवाद और राष्ट्रभक्ति की बात भी बढ़ चढ़कर करता है। परन्तु शायद वह अपने इस युद्धोन्माद में यह भूल चुका है कि उसके इस मूर्खतापूर्ण युद्धोन्मादी स्टैंड से दुनिया में यह देश कितना बदनाम हो रहा है ? हद तो यह है कि इसी युद्धोन्मादी विचारधारा का पोषक भारतीय मीडिया का एक वगज़् भी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिये नहीं बल्कि अपने व्यवसायिक मक़सद के तहत इसराईल पहुंचा हुआ है।

मानव को हर तरह की प्राकृतिक आपदा से सीखना जरुरी

– नरेन्द्र भारती

भारत में कभी भूकंप तो कभी सुनामी व बाढ़ जैसी आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है।लोग प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता है। जुलाई व अगस्त माह में कश्मीर से कन्याकुमारी तक बरसात का कहर रहा जिसमें हजारों लोग बेमौत मारे गए ल आपदाओं से सबक लेना चाहिए द्य दिल्ली एनसीआर में 1960 से लेकर 31 मार्च 2023 तक 675 भूकंप आ चुके हैं द्यसरकार को चाहिए कि इमारतो का निर्माण करने वाले बिल्डरों को आदेश दे की भीड़:भाड़ वाले शहरों में भूकंप रोधी भवनों का निर्माण करना चाहिए। समय समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते।हर त्रासदी के बाद भूकंप रोधी निर्माण की जरुरत पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातो को भूला दिया जाता है।कुछ लोग भूकंप रोधी भवन नहीं बनाते है दस-दस मंजिलें बनवाते है लेकिन एक दिन ऐसी आपदाओं के कारण इन्ही घरों में जमीदोज हो जाते है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है।शहरों में बिना मानको के इमारतों का निर्माण किया जा रहा है।अगर सही मानको के मुताबिक निर्माण किया जाए तो जान-माल की रक्षा हो सकती है।और होने वाली तबाही को कम किया जा सकता है मगर हादसों आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता और उसके बाद अगली घटना तक कोई

कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदा पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए कि भूकंपरोधी मकानों का निर्माण ही तबाही से बचा सकता है। केंद्र सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरों तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों का मौत के मुंह से बचा सके अक्सर देखा गया है कि जब तक शहरों में स्थित आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुंचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। देश में आज तक बडे-बड़े विनाशकारी भूकंपों के कारण लाखों लोग मारे जा चुके है ।प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक भूकंप जैसी आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके स्कूलों व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयंसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय = पर आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। वक्त अभी संभलने का है। भूकंप काल बनकर आया और लोग असमय काल के गाल में समा गए।। विनाशकारी भूकंप से जनमानस खौफजदा है कि कही फिर से भुकंप न आ जाए।सरकारें जितना पैसा मुआवजा राशि पर खर्च करती है उतना लोगों को भूकंप जैसी त्रासदियों से बचाव के लिए लोगों को कैंपों के माध्यम से जागरुक किया जाना चाहिए। भारत में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है 26 जनवरी 2001 कों गुजरात में आए भूकंप ने भारतीय समाज को कभी नहीं भूल पायेगा जहां तबाही का मंजर बहुत ही दर्दनाक था। इसमें लगभग 20000 लोग मारे गए थे। ऐसे 4 अप्रैल 1905 को हिमाचल के कांगड़ा में आए विनाशकारी भूकंप में 20000 हजार लोग मौत के आगोश में समा गए थे। भूकंप की विभिषिका में हजारों लोग अपंग होते है बच्चे अनाथ हो जाते हैं हजारों लाशे मलवे में दफन हो जाती है।भूकंप का दंश ताउम्र झेलते है । ऐसी मानवीय त्रासीदियों को रोकना होगा।

इसराइल-हमास युद्ध और भारत में युद्धोन्माद

– तनवीर जाफरी

7 अक्टूबर को दक्षिणी इज़राइल पर हमास के दुर्भाग्यपूर्ण हमले के बाद इज़राईली सेना द्वारा बदले की कार्रवाई विगत 15 दिनों से लगातार जारी है। ख़बरों के अनुसार 7 अक्टूबर को हमास द्वारा किये गये हमले में लगभग 1,400 इज़राइली और और कई विदेशी नागरिक मारे गए थे। जबकि इज़राईल सेना द्वारा बदले की कार्रवाई करते हुये अब तक ग़ज़ा को लगभग पूरी तरह तहस नहस किया जा चुका है। हमास के इाईल पर किया गया हमला पूणज़्तय: निंदनीय था। परन्तु इाईली सेना के जवाबी हमलों में ग़ज़ा में अब तक लगभग 25 हज़ार से ज़्यादा इमारतें तबाह हो चुकी हैं ।लगभग एक दर्जन अस्पतालों और 50 से अधिक स्कूलों पर इाईली टैंकों व वायु सेना द्वारा बमबारी कर उन्हें ध्वस्त किया जा चुका है। ग़ज़ा में अब तक मरने वालों की संख्या लगभग 7 हज़ार से अधिक हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार,ग़ाज़ा में अब तक मारे गए लोगों में से लगभग 70 प्रतिशत बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार ग़ज़ा में पांच लाख से ज़्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ग़ज़ा में केवल एक अस्पताल पर हुये हमले में ही पांच सौ से ज़्यादा लोग मारे गए थे। जिसके बाद पूरी दुनिया में इाईल के विरुद्ध गुस्सा फैल गया था। इस युद्धअपराधी हमले की चौतरफ़ा आलोचना व निंदा की गयी थी। इस मानवता विरोधी युद्ध के दौरान दुनिया के अनेक देशों में फ़िलिस्तीनियों के समर्थन में तथा ज़ायनिस्टों की क्रूरता के विरोध में प्रदशज़्न किये गये हैं। यहाँ तक कि इसराईल, अमेरिका व ब्रिटेन सहित कई देशों में तो स्वयं इसराईली मानवतावादियों द्वारा ज़ायनिस्टों द्वारा किये जा रहे युद्ध अपराधों के विरुद्ध प्रदर्शन किये गये हैं। इसके अतिरिक्त हज़ारों लोग अमेरिका और यूरोप में भी कई प्रमुख शहरों में फ़िलिस्तीन के समर्थन में सड़कों पर उतर आए हैं। यहूदी संगठनों के सदस्यों सहित

हज़ारों फ़िलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी पिछले दिनों वॉशिंगटन के कैपिटल हिल में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने इसराइल-हमास के बीच चल रही जंग तत्काल बंद करने की मांग की। दुनियाभर के और भी कई देशों में इाइल के विरोध और फ़िलिस्तीन के समर्थन में प्रदशज़्न हो रहे हैं। कनाडा के टोरंटो सहित कई शहरों में भी फ़िलिस्तीन के समर्थन में नारेबाज़ी की गई और इस जंग को तुरंत रोकने की मांग की गयी। इस दौरान फ़िलिस्तीन और ग़ज़ा की आजादी के नारे लगाए गए और ग़ज़ा पर इाइली सेना के हमले की निंदा की गयी। ये प्रदर्शनकारी गाज़ा में हिंसा समाप्त करने की मांग तो कर ही रहे हैं साथ ही फ़िलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के साथ भी खड़े हुये हैं। इसी तरह न्यूज़ीलैंड के क्राइस्टचर्च में फ़िलिस्तीन सॉलिडेरिटी नेटवर्क एओटेरोआ द्वारा आयोजित फ़िलिस्तीन समर्थक रैली में प्रदर्शनकारियों ने इाइल से युद्ध रोकने और उसके क़ब्ज़े वाली फ़िलिस्तीनी भूमि को छोड़ने का आह्वान किया गया। ब्रिटेन में लंदन सहित अन्य स्थानों पर भी फ़िलिस्तीन के समर्थन में नारेबाज़ी की गई और युद्ध के विरुद्ध बड़ी संख्या में लोगों ने पैदल मार्च किया। इसी तरह फ़्रांस की राजधानी पेरिस में भी फ़िलिस्तीन के समथज़्न में नारेबाज़ी की गई। इस दौरान लोगों ने फ़िलिस्तीन के झंडे लहराए और इसराइल के विरोध में नारेबाज़ी की। प्रदर्शनकारियों ने इाइल और हमास के युद्ध को बंद करने की मांग की। इसी तरह इंडोनेशिया,मोरक्को,लेबनान व अन्य कई देशों में भी बड़ी संख्या में इसराईल विरोधी,युद्ध विरोधी व फ़िलिस्तीनी अधिकारों के पक्ष में जुलूस,मार्च व प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है।

परन्तु आश्चर्य की बात है कि इस युद्ध का सबसे अधिक उन्माद भारत में दिखाई दे रहा है। वह भी सोशल मीडिया व टी वी चैनल्स पर। भारत में इज़राइल - हमास युद्ध का उन्माद इस क़दर छाया हुआ है कि इसमें झूठ फ़रेब और अफ़वाहों का भी बोल-बाला है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत फ़िलिस्तीनी अधिकारों के तो साथ है परन्तु हमास की हिंसक कार्रवाइयों के विरुद्ध है। परन्तु भारतीय दक्षिणपंथियों द्वारा इज़राईल के दक्षिण पंथी ज़ायनिस्टों का भरपूर समर्थन सीमा से भी आगे जाकर किया जा रहा है। निश्चित रूप से भारतीय मुसलमानों की हमददीज़ पीड़ित फ़िलिस्तीनियों के साथ है। मुसलमान ही नहीं बल्कि भारत भी आठ दशक से फ़िलिस्तीनियों के अधिकारों के समर्थन में खड़ा रहा है,और आज भी है। परन्तु भारत में दक्षिणपंथियों द्वारा इस हद तक इाईली क्रूरता को अपना समथज़्न देना कि अनेक लोग सोशल मीडिया पर इसराईली सेना की ओर से युद्ध करने की पेशकश करने लगें,अपने प्रोफ़ाइल में इाईली झंडे लगाने लगें,हमास की क्रूरता भरे वीडिओ पोस्ट करें परन्तु इसराईली ज़ायनिस्टों का अमानवीय पक्ष इन्हें नज़र न आये ,न ही इन्हें इाईली वायु सेना की ग़ाज़ा के अस्पतालों पर की गयी बमबारी दिखाई दे ,न ही फ़िलिस्तीनियों का दाना -पानी बंद करना तक नज़र न अये। और उल्टे इसराईल द्वारा किये जा रहे नरसंहार पर जश्न का माहौल बनाने लगें ,यह स्थिति तो बेहद चिंताजनक है।

ऑटिज्म मानसिक बीमारी, जल्द हो जाएं सावधान

ऑटिज्म का हो सकता है खतरा

ऑटिज्म एक प्रकार की मानसिक बीमारी है। इस बीमारी के लक्षण बचपन से ही बच्चे में नजर आने लगते हैं। इस बीमारी में बच्चे का मानसिक विकास ठीक तरह से नहीं हो पाता है। इस बीमा री से जूझ रहे बच्चे दूसरे लोगों के साथ घुलने.मिलने से कतराते हैं। ऐसे बच्चे किसी भी विषय पर अपनी प्रतिक्रियाएं देने में भी काफी समय लेते हैं ।दुनियाभर में ज्यादातर लोग ऑटिज्म बीमारी से पीड़ित हैं। इस बीमारी का अभी वास्तविक कारण पता नहीं लग पाया है लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि ऑटिज्म की बीमारी जींस के कारण भी हो सकती है। इसके अलावा वायरस जन्म के समय ऑक्सीजन की कमी भी ऑटिज्म को जन्म दे सकती है।

इस बीमारी पर हुए एक अध्ययन में बताया गया है कि पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम ;पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं के पैदा होने वाले बच्चों में ऑटिज्म विकसित होने की अधिक आशंका रहती है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान महिला में किसी बीमारी या पोषक तत्वों की कमी भी उनके बच्चे को ऑटिज्म बीमारी का शिकार बना सकती है।

क्या होते हैं लक्षण.

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे सामान्य बच्चों की तरह किसी भी बात पर प्रतिक्रिया देने से कतराते हैं। ऐसे बच्चे आवाज सुनने के

बावजूद भी प्रतिक्रिया नहीं देते हैं ।ऑटिज्म पीड़ित बच्चों को भाषा संबंधी भी कई रुकावटों का सामना करना पड़ता है।ऑटिज्म बीमारी से पीड़ित बच्चे अपने आप में ही खोए रहते हैं।अगर आपका बच्चा नौ महीने का होने के बावजूद न तो मुस्कुराता है और न ही कोई प्रतिक्रिया देता है तो सावधान हो जाएं क्योंकि ये ऑटिज्म का ही लक्षण है।ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे कभी भी किसी से नजरें मिलाकर बात नहीं करते हैं।

मानसिक विकास न होने की वजह से ऑटिज्म से जूझ रहे बच्चों में समझ विकसित नहीं हो पाती है जिस कारण उन्हें शब्दों को समझने में दिक्कत होती है।

बच्चों के विकास के लिए सबसे बेहतर है खेल

बचपन खेलने के लिए होता है। बचपन में बच्चे जितना खेलते हैं वह उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अच्छा होता है। खेल बच्चों के जीवन का अहम हिस्सा है। यह ना केवल मनोरंजन के लिए बल्कि उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए भी बेहद जरूरी है पर बदलते समय के साथ खेलों के मायने भी बदल गए हैं।पहले मैदान गली.नुक्कड़ और आंगन बच्चों के लिए खेलने की जगहें होती थीं। वहीं नई जीवनशैली में जैसे.जैसे घरों ने फ्लैट का रूप लिया और आंगन बालकनी में बदले बच्चों के खेलने का तरीका भी बदल गया है।मेट्रो की रफ्तार से दौड़ती जिंदगी में ना तो परिवार के पास बच्चों को बाहर ले जाने का समय रह गया है और ना ही वह माहौल जिसमें वे स्वच्छंद होकर खुले मैदान में खेल सकें।

खेलों में आया बड़ा बदलाव

मैदान के खेलों की जगह अब कंप्यूटर मोबाइल और वीडियो गेम्स ने ले ली है परन्तु फिर भी बच्चे आउटडोर खेलों को ही पसंद करते हैं। इनडोर खेल गर्मी में तो ठीक हैं पर बच्चों के पूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आउटडोर खेल जरुरी हैं।

बच्चों में गैजेट्स के ज्यादा इस्तेमाल से बढ़ रहे खतरे से सभी परेशान हैं और इस समस्या से निपटने के लिए आउटडोर खेलों को सबसे अच्छा विकल्प मानते हैं। खेल विकास के लिए महत्वपूर्ण खेलों के जरिए बच्चे दूसरों के साथ व्यवहार करना सीखते हैं दुनिया को जानते हैं और नए आइडियाज को जन्म देते हैं। वो काम जो इंसान कंप्यूटर से बेहतर कर सकता है और इसको करने में खेल एक मुख्य भूमिका निभाता है। आउटडोर खेलों का विकास पर प्रभाव-शारीरिक विकास क्रिकेट फुटबॉल बास्केटबॉल खो.खो और कबड्डी जैसे कई खेल बाहर खेले जाते हैं। इन खेलों का मकसद बच्चों का शारीरिक विकास माना जाता है। इसके अलावा बाहर खेलने से बच्चों के अंदर सकारात्मक ऊर्जा का भी विकास होता है।बच्चों के शरीर में ग्रोथ हॉर्मोन के स्त्राव का एक वक्त होता है। ये हॉर्मोन फिजिकल एक्टिविटी से बढ़ते हैं। इसके अलावा प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट और बच्चों के पसंदीदा जंक फूड को पचाने के लिए शारीरिक क्रियाएं बहुत जरूरी हैं। आउटडोर खेल बच्चों के मानसिक विकास में भी सहयोगी होते हैं। बच्चों में खेलने की आदत विकसित करने से वो सामाजिक तौर पर विकसित होते हैं साथ ही बड़ा होकर अपने कार्यस्थल पर भी अच्छे से घुलमिल जाते हैं ।कुल मिलाकर देखा जाये तो खेल उन्हें सामाजिक भावनात्मक और शैक्षणिक ज्ञान देने के लिए जरूरी है।

बच्चों में कैंसर की शुरुआत में करें जांच

आजकल बच्चों में भी कैंसर के मामले पाये जा रहें हैं हालांकि ये बहुत कम है इसके बाद भी सावधान रहना बेहद जरुरी है। एक अनुमान के मुताबिक 14 साल से कम उम्र के बच्चों में कैंसर के लगभग 40 से 50 हजार नए मामले हर साल सामने आते हैं। इनमें से बहुत से मामलों का पता नहीं चलता। विशेषज्ञों के अनुसार प्रायः बेहतर स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच नहीं होना या प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा कर्मियों द्वारा बच्चों में कैंसर के लक्षण नहीं पहचान पाना बीमारी पकड़ में नहीं आने का प्रमुख कारण होता है। बच्चों में कैंसर के करीब 70 प्रतिशत मामले इलाज के योग्य हैं। आश्चर्य की बात है कि यह सुधार बच्चों में कैंसर के इलाज की नई दवाओं की खोज से नहीं आया है बल्कि यह सुधार तीन चिकित्सा पद्धतियों.कीमोथेरेपी सर्जरी और रेडियोथेरेपी के बेहतर तालमेल से हुआ है।

समय पर पकड़ में आने पर कैंसर का इलाज संभव

समय पर इलाज मिलने से बेहतर नतीजों की उम्मीद बढ़ जाती है। बीमारी को पहचानने और इलाज शुरू होने के बीच के समय को कम से कम करना चाहिए। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि इलाज का सर्वश्रेष्ठ मौका पहला मौका ही होता है। पर्याप्त देखभाल के बाद भी अनावश्यक देरी गलत परीक्षणए अधूरी सर्जरी या अपर्याप्त कीमोथेरेपी से इलाज पर नकारात्मक असर पड़ता है।

एक औसत सामान्य चिकित्सक या बाल चिकित्सक शायद ही किसी बच्चे में कैंसर की पहचान कर पाते हैं। बच्चों में कैंसर के लक्षणों से इस अनभिज्ञता की स्थिति को देखकर समझा जा सकता है कि इसकी पहचान देरी से क्यों होती है या फिर इसकी पहचान क्यों नहीं हो पाती है।

बच्चों में कैंसर के लक्षण

बच्चों में कैंसर की चेतावनी देने वाले लक्षण

बच्चों में कैंसर प्रायरू दुर्लभ है लेकिन इलाज के योग्य भी है। जरूरी है कि समय पर इसका पता लग जाए। इसके लिए बेहद सतर्कता जरूरी है। बच्चों में होने वाले कैंसर में सबसे आम ल्यूकेमिया लिंफोमा और मस्तिष्क या पेट में ट्यूमर हैं।

इनमें से कोई भी लक्षण दिखने पर बच्चे में कैंसर की आशंका होती है

पीलापन और रक्तस्राव ;जैसे चकत्ते बेवजह चोट के निशान या मुंह या नाक से खून

हड्डियों में दर्द

किसी खास हिस्से में दर्द नहीं होता और दर्द के कारण बच्चा अक्सर रात को जाग जाता है

बच्चा जो अचानक लंगड़ाने लगे या वजन उठाने में परेशानी हो या अचानक चलना छोड़ दे

बच्चे में पीठ दर्द का हमेशा ध्यान रखें- अचानक उभरने वाले न्यूरो संबंधी लक्षण दो हफ्ते से ज्यादा समय से सिरदर्द

सुबह.सुबह उल्टी होना

चलने में लड़खड़ाहट ;एटेक्सिया

सिर की नसों में लकवा

अचानक चर्बी चढ़ना

अकारण लगातार बुखार, उदासी और वजन गिरना

किसी बात पर ध्यान नहीं लगना और एंटीबायोटिक्स से असर नहीं पड़ना। इसके अलावा भी कई अन्य बातों का भी ध्यान रखें।

बच्चों में गुस्सा ठीक नहीं समय रहते तुरंत काबू करें

ऐसे बच्चे जो बात.बात पर हाथ उठाते हैं चांटा मारने लगते हैं काटते हैं या फिर खिलौने तोड़ने लगते हैं को देखकर अकसर माता.पिता काफी परेशान हो जाते हैं। ऐसे में आपको विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। अकसर बच्चों को गुस्सा तब आता है जब उनकी मांग पूरी नहीं की जाती है ऐसे में बच्चों को शांत करने के लिए माता.पिता उनकी मांगों को पूरा करने लगते हैं जिससे उनके बच्चे जिद्दी हो जाते हैं। गुस्सैल बच्चों को कैसे नियंत्रित किया जाए आइए जानते हैं ।बच्चों के लिए उदाहरण तय करना बेहद महत्वपूर्ण होता है। माता.पिता को बच्चों के सामने अपने गुस्से को प्रदर्शित नहीं करना चाहिए।

बच्चों के सामने ऐसे टीवी कार्यक्रम देखने से बचें जिसमें हिंसा दिखाई जा रही हो। ये ध्यान रखें कि बच्चे बहुत जल्दी सीखते हैं।

अपने बच्चों को ऐसे लोगों से दूर रखें जो जरा.जरा सी बात पर गुस्सा हो जाते हैं या जिन्हें अपने गुस्से पर कंट्रोल करना नहीं आता।

अपने गुस्सैल बच्चे उसी तरीके से पेश न आयें। इससे आपके बच्चे के गुस्सैल व्यवहार को बढ़ावा मिल सकता है

बच्चे को किसी भी प्रकार का शारीरिक दंड देने से बचें। यह बच्चे में उग्रता पैदा करते हैं। बच्चे के गुस्से को समझें। कई बार बच्चे अटेंशन पाने के लिए भी अपने व्यवहार को बदलते रहते हैं।अपने आक्रामक बच्चे को नियंत्रित करके रखें हो सकता है कि वह अपने गुस्से में किसी अन्य व्यक्ति को हानि पहुंचा दे। बच्चों के प्रति अपने प्रेम को दर्शाना बेहद अहम होता है। अपने बच्चों को ये जरूर बताएं कि आप उनसे बेहद प्यार करते हैं।

विपक्ष पर बिना सोचे प्रहार सरकार की घबराहट का संकेत

देश की सियासत निम्न स्तर परः और अब राहुल को दशानन कहना

-राकेश अचल

आज न राजनीति पर लिखना था और न नीति पर ,लेकिन भाजपा ने विवश कर दिया लिखने पर। महाबली नेतृत्व वाली भाजपा ने आखिर मान ही लिया की राहुल गांधी का प्रताप लगातार बढ़ रहा है और वे दशानन बन चुके है । दशानन का अर्थ दस सिर वाला नहीं होता ,बल्कि दशानन का अर्थ एक ही सिर वाले व्यक्ति के पास दिव्यदृष्टि का हो जाना भी होता है । भाजपा ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर राहुल गांधी का एक पोस्टर जारी किया और उन्हें नए जमाने का रावण बताया। पार्टी ने लिखा- नए जमाने का रावण यहां है। वे दुष्ट, धर्म और राम विरोधी हैं। उनका एक मात्र लक्ष्य देश को बर्बाद करना है। मोदी युग में अपने प्रतिद्वंदी को रावण कहा जाना कतई हैरानी की बात नहीं है। हैरानी की बात तो ये है कि भाजपा के विद्वान आईटी सेल वाले न राम को ठीक -ठीक जानते हैं और न रावण को। रावण के दस सिर माने जाते थे लेकिन भाजपा के रावण के 7 सिर ही हैं। त्रेता के राम ने कभी चाय नहीं बेची थी लेकिन भाजपा के राम चाय बेचते हुए रामलीला करने आये हैं। भाजपा के रावण के कोई भाई नहीं है जबकि त्रेता के रावण के पास कुंभकर्ण ,बिभीषण जैसे महाबली भाई थे । रावण की बहन सूर्पणखा अविवाहित थी भाजपा के राबण की बहन न कुरूप है और न अविवाहित,वो दो बच्चों की मां है उसे कोई भूले से भी सूर्पणखा नहीं कह सकता। अब आइये भाजपा के राम को पहचाने। भाजपा के राम के चार नहीं पांच भाई है। भाजपा के राम की पत्नी को त्याग दिया गया है जबकि बेचारी का किसी रावण ने अपहरण नहीं किया वो कभी अशोक वाटिका में नहीं रहीं । उसे किसी अग्निपरीक्षा का सामना नहीं करना पड़ा । उसने अपने राम को किसी धनुष यज्ञ से नहीं बल्कि बाकायदा सप्तपदी से वरण किया था भाजपा के राम रणछोड़ भी हैं और निपूते भी। त्रेता के राम विवाहित भी थे और उनके दो सुंदर बेटे भी थे। ऐसे में मोदी युग के राम और रावण की कोई तुलना बन नहीं रही। यानि मोदी युग में बनाया गया रावण किसी को पच नहीं रहा । मोदी की भाजपा जिसे रावण मानती है उसने न कभी किसी सीता का हरण किया और न राम से कभी कोई बैर पाला उस बेचारे ने तो राम जी को संसद में खुले आम झप्पी दी। भला कोई रावण किसी को झप्पी देता है ?

भाजपा की तरफ से जारी पोस्टर में राहुल के 7 सिर दिखाए गए हैं। इस पर लिखा है- भारत खतरे में है। तस्वीर के ठीक नीचे बड़े अक्षरों में रावण लिखा हुआ है। इसके नीचे अंग्रेजी में, CONGRESS PARTY PRODUCTION डायरेक्टेड बाय जॉर्ज सोरोस लिखा है ।भाजपा के इस प्रयोग से जाहिर है की भाजपा राहुल गांधी से बेहद आतंकित है । राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के सामने मोदी सरकार की तमाम उपलब्धियां बौनी साबित हो रही हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि जॉर्ज सोरोस के लोग कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे। इसके अलावा भाजपा नेताओं ने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन नाम के एक गैर-सरकारी संगठन का नाम लिया है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह स्वयंसेवी संगठन अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस की ओर से वित्त पोषित है और इसके उपाध्यक्ष सलिल शेट्टी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे।

भाजपा का बस चले तो वो राहुल रावण को न्यूज क्लिक के मालिकों और सलाहकारों की तरह यूएपीए के तहत आरोपी बनाकर जेलाटन करा दे। किन्तु मन होंसिया ,करम गढ़िया हो तो कोई क्या करे।? भाजपा ने जार्ज सोरोस को शायद राहुल का भाई मान लिया है। भाजपा को जार्ज में कुम्भकरण दिखाई देता है क्योंकि जॉर्ज सोरोस अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी हैं। सोरोस ने इसी साल म्यूनिख सिक्योरिटी काउंसिल में कहा था कि -भारत लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक नहीं हैं। उनके तेजी से बड़ा नेता बनने की अहम वजह मुस्लिमों के साथ की गई हिंसा है। सोरोस ने भारत में नागरिकता संशोधन कानून [सीएए] और कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने पर भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। सोरोस ने दोनों मौकों पर कहा था कि - भारत हिंदू राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। दोनों ही मौकों पर उनके बयान बेहद तल्ख थे और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते दिखाई दिए थे। आपको बता दें की सोरोस भाजपा सरकार की आँख कीक किरकिरी उसी तरह हैं जिस तरह की राहुल गांधी यानि राहुल रावण ।सोरोस की संस्था ने 1999 में पहली बार भारत में एंट्री की। पहले ये भारत में रिसर्च करने वाले स्टूडेंट को स्कॉलरशिप देती थी। 2014 में ओपन सोसाइटी ने भारत में दवा, न्याय व्यवस्था को बेहतर बनाने और विकलांग लोगों को मदद करने वाली संस्थाओं को आर्थिक सहायता देना शुरू किया। 2016 में भारत सरकार ने देश में इस संस्था के जरिए होने वाली फंडिंग पर रोक लगा दी। भाजपा के अंगद यानि विदेश मंत्री जयशंकर अमेरिका के बिलेनियर कारोबारी जॉर्ज सोरोस को बूढ़ा, अमीर, जिद्दी और खतरनाक कह चुके हैं । जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया में कहा था- ऐसे लोगों को लगता है कि अगर उनकी पसंद का व्यक्ति चुनाव जीतता है, तो वो चुनाव अच्छा था, लेकिन अगर नतीजा कुछ और निकले तो वो देश के लोकतंत्र में खामियां ढूंढ़ने लगते हैं ।बहरहाल मै भाजपा की आईटी सेल के इस सृजन से बहुत खुश हूँ ,क्योंकि इसमें मौलिकता है। राजनीति में मौलिकता का नितांत अभाव है। देश में अब रामलीलाएं लगातार कम हो रहीं हैं ऐसे में सियासी लीला में राम और रावण की एन्ट्री सुखद है । मै तो सुझाव देना चाहूंगा की इस साल दशहरे पर भाजपा पूरे देश में रावण की झग राहुल रावण के पुतले जलाये। राहुल की नाभि में लोकप्रियता का जो अमृत कुंड है उसे किसी तीर से सोख ले ताकि न रहे बांस और न बजे बांसुरी। क्योंकि जब तक देश की राजनीति में राहुल मौजूद हैं वे भाजपा के लिए समस्या बने रहेंगे । मुमकिन है उनके रहने से भाजपा का 2047 तक सत्ता में रहने का सपना भी चकनाचूर हो जाये। क्योंकि राहुल रावण की सेना लगातार एक के बाद एक मोर्चा फतह करती जा रही है । राहुल रावण की फ़ौज देश को कांग्रेस विहीन करने के भाजपा के महा अभियान का सबसे बड़ा रोड़ा हैं। राहुल को रावण बताना मानहानि का मुद्दा है या नहीं ये वकील जानें। मै तो इतना जानता हूँ कि भाजपा के सर पर राहुल पहले केवल भूत बनकर सवार थे और अब रावण बनकर सवार हैं। राहुल को रावण बताना राहुल का अपमान है या कांग्रेस का या खुद रावण की बिरादरी वालों का ये तय करना जनता का काम है और जनता नवंबर में होने वाले पांच राज्यों कि विधानसभा चुनावों में इसका उत्तर जरूर देगी। 2024 में होने वाले आम चुनाव में ये तय हो जाएगा की देश की राजनीति में कौन रावण है और कौन राम ? आप तो केवल सियासत की छुद्र रामलीला देखते जाइये। दृश्य अभी और भी हैं।

हिन्दी पत्रकारिता में अरुण नैथानी कम उनकी कलम अधिक बोलती है

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर, बिहार द्वारा हिंदी सेवाओं के लिए विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से विभूषित अरुण नैथानी हिंदी पत्रकारिता में कोई नया नाम नही है ।तीन दशकों से भी अधिक समय से उनकी कलम निरंतर चल रही है ।कद,काठी और चेहरे से भी पत्रकार नज़र आने वाले अरुण नैथानी ने व्यवसायिक पत्रकारिता के इस दौर में भी मिशनरी पत्रकारिता को जिया है। सीमित संसाधनों और असीमित दायित्व से हमेशा घिरे रहे अरुण को न आगे बढ़कर दिखने की चाह है और न ही अपना आर्थिक पक्ष मजबूत करने की कोई ललक ।फिर भी गंगा की तरह पत्रकारिता के कंटीले एवं उबड़ खाबड़ मार्ग पर अनवरत बह रहे है और जितना हो सकता है ,पत्रकारिता के मानदंडों की रक्षा भी कर रहे है ।देवभूमि उत्तराखंड के इंजीनियर नगर रुड़की में जन्मे अरुण नैथानी अभी भी मां , पैतृक घर व बचपन से जुड़ी यादों के कारण अक्सर रुड़की आ जाते है ।यहां आकर उन्हें अपनत्व की एक ऊर्जा का एहसास भी होता है ।पिता जी.पी. नैथानी के आदर्शों को अपनाकर जीवन मे आगे बढ़ते रहे अरुण का जन्म 10 जनवरी सन 1966 को हुआ ।उन्होंने बीए ऑनर्स (राजनीति विज्ञान) एवं शिक्षा स्नातक उत्तरीण करने के साथ साथ अर्थशास्त्र, इतिहास, हिंदी, मास कम्युनिकेशन तथा योग में स्नातकोत्तर किया और पीजी डिप्लोमा मॉसकॉम व डिप्लोमा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में करके स्वयं को हर शैक्षणिक मोर्चे पर सिद्ध किया। पुणे फ़िल्म इंस्टिट्यूट से मोबाइल फिल्म मेकिंग का पाठ्यक्रम पूरा करने के साथ ही उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्ष से अधिक हिंदी पत्रकारिता को समर्पित किए ।वर्तमान में दैनिक ट्रिब्यून के सहायक संपादक पद पर कार्यरत अरुण नैथानी ने दैनिक ट्रिब्यून में संपादकीय से लेकर फीचर एवं साहित्य पृष्ठों का संपादन बखूबी किया है और अभी भी कर रहे है। उनका संपादकीय लेखन सन 2009 से,तो साप्ताहिक फिल्मी परिशिष्ट 'मनोरंजन' का संपादन 11 वर्ष से,जबकि रविवारीय पत्रिका का संपादन गत 5 वर्षो से निरंतर जारी है। उनके द्वारा आमुख कथा, लेख, फीचर, रिपोर्ताज, न्यूज फीचर, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा, न्यूज रिपोर्ट सहित दस हज़ार से अधिक रचनाएं लिखी गई जो प्रकाशित भी हुई ।उन्होंने अपने पत्रकारिता कैरियर की शुरुआत सन 1986 से दैनिक दून दर्पण, दैनिक सीमांत वार्ता और दैनिक विश्व मानव से जुड़कर की थी,फिर एक लंबा समय दैनिक अमर उजाला के सम्पादकीय विभाग में गुजारा और सन 2000 से दैनिक ट्रिब्यून के होकर रह गए ।उन्होंने दैनिक हिन्दुस्तान, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, नवभारत टाइम्स, जनसत्ता, राजस्थान पत्रिका, राष्ट्रीय सहारा, चौथी दुनिया, संडे मेल, ब्लिट्ज़, अमर उजाला, दैनिक जागरण, भास्कर, पंजाब केसरी, विश्वमानव, हिमाचल टाइम्स, दूनदर्पण, मुक्ता, सरिता, मनोहर कहानियां (मित्र प्रकाशन), विश्वमित्र, वर्तमान भूमिका आदि में नियमित लेखन किया ,वही आकाशवाणी-दूरदर्शन के केंद्रों से विभिन्न विषयों पर वार्ताएं भी की और उनकी बीबीसी से कई टिप्पणियां भी प्रसारित हुई।

छात्र राजनीति में सक्रिय रहकर विभिन्न पदों पर रहे अरुण ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार की पत्रिका 'शतपथ' का सन 1992 में संपादन भी किया। साथ ही भारत ज्ञान-विज्ञान जत्थे के माध्यम से जनजागरण व नुक्कड़ नाटक करते रहे। 'मानवाधिकार जन-निगरानी समिति' के तहत उत्तर प्रदेश में बाल-श्रम मुक्ति हेतु किये गए कार्य आज भी याद किए जाते है। वही उन्होंने 'प्रकृति मित्र' के जरिये उत्तराखंड में वन्य-जीव संरक्षण का भी प्रयास किया। उन्हें देशबंधु गुप्त सम्मान—हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा 2012 में, बालश्रम-मानवाधिकारों पर लेखन हेतु वर्ष 1998 में बनारस (उ.प्र.) में ,मानवाधिकार जन-निगरानी सम्मान । बाल-श्रम लेखन पर नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी द्वारा 1998 में मेरठ (उ.प्र.) में सम्मान ।प्रांतीय स्तरीय 'शिव कुमार गुप्त स्मारक अवार्ड' सहारनपुर (उ.प्र.) में 1995।

व्यंग्य लेखने के लिये शब्द निष्ठा सम्मान 2018,अजमेर, राजस्थान। साहित्यिक पत्रकारिता हेतु पंजाब कला साहित्य अकादमी सम्मान 2018,सृजन साहित्य सम्मान(2019)श्रीगंगानगर, राजस्थान , सम्मेलन सम्मान(2020), हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग,उ.प्र. । संवाद परिषद (हरिद्वार) उत्तराखंड द्वारा 1992 में पत्रकारिता के लिए सम्मान। अभिव्यक्ति फीचर सम्मान, उ.प्र. 1995 ।रीजनल पत्रकार संघ, हापुड़ (गाजियाबाद) उ.प्र. द्वारा 1997 सम्मान। उत्तराखंड आंदोलन पर लेखन हेतु तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सतपाल महाराज द्वारा वर्ष 1999 में सम्मान मिलना उनकी कर्मठता का प्रमाण है ।हाल ही में अरुण नैथानी को आधारशिला साहित्यम ने उनकी कहानी शेरू आ गया के लिए 3100 रुपये के प्रथम पुरुस्कार से विभूषित किया है ।जो उनकी लेखन क्षमता को भी सिद्ध करता है।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलसचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार है)

साल में एक बार अवश्य कराएं ये जांच

ब्लड टेस्ट यानी खून की जांच द्वारा आपके शरीर की अंदरूनी सेहत के बारे में आसानी से पता लगाया जा सकता है। शरीर के ज्यादातर अंगों के फंक्शन को जांचने के लिए ब्लड और यूरिन का टेस्ट करना पर्याप्त होता है। इसका कारण यह है कि ब्लड यानी खून हमारे पूरे शरीर में प्रवाहित होता है और किसी भी अंग में गड़बड़ी होने पर खून में भी इसका असर पड़ता है। अगर आप अपनी अंदरूनी सेहत के बारे में जानना चाहते हैं तो साल में कम से कम एक बार ये 5 ब्लड टेस्ट जरूर करवाएं। इन टेस्ट्स के द्वारा बीमारियों का सही समय पर पता लग जाने पर इलाज और रोकथाम बहुत आसान हो जाती है और आपको अपनी सेहत का भी अंदाजा हो जाता है।

थायरॉइड पैनल

थायरॉइड हमारे शरीर में महत्वपूर्ण हार्मोन्स के स्राव में मदद करता है। आपको हर साल थायरॉइड टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। अगर आपको थायरॉइड से जुड़ी बीमारी नहीं भी हैए तो भी इस टेस्ट से आपको अपनी सेहत के बारे में जरूरी बातें पता लगेंगी। आमतौर पर थायरॉइड टेस्ट में 3 चीजों की जांच शामिल होती हैं. टी3ए टी4 और टीएचएस। भारतीय लोगों में थायराइड तेजी से बढ़ रहा है। थॉयराइड एक साइलेंट किलर है और ये बीमारी महिला और पुरुष दोनों को हो सकती है। इसलिए थायरॉइड टेस्ट जरूरी है।

लिपिड प्रोफाइल

लिपिड प्रोफाइल के द्वारा आप अपने शरीर में कोलेस्ट्रॉल की जांच करवा सकते हैं। आमतौर पर लिपिड प्रोफाइल में 4 तरह के टेस्ट शामिल होते हैं. टोटल कोलेस्ट्रल ;टीसी हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन ;एचडीएल या गुड कोलेस्ट्रॉल लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन ;एलडीएल या बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड्स ;टीजी। इन सभी जांचों के द्वारा दिल के स्वास्थ्य के बारे में जाना जा सकता है। इस टेस्ट में एडीएल के साइज और उनके पार्टिकल्स के बारे में पता लगाया जाता है। एचडीएल को हाई डेंसिटी लीपोप्रोटीन कहते हैं। इसकी कमी से दिल की बीमारी होने का खतरा रहता है।

हीमोग्लोबिन एआईसी टेस्ट

एआईसी द्वारा आपके शरीर में ग्लूकोज के पिछले 3 महीने के स्तर का पता लगाया जा सकता है। अगर आप इस टेस्ट को हर साल करवाते हैं तो आप डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारी से बच सकते हैं। डायबिटीज के मरीज भारत ही नहीं दुनियाभर में बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में ये ब्लड टेस्ट बहुत जरूरी है।

किडनी फंक्शन टेस्ट

किडनी फंक्शन टेस्ट इसलिए किया जाता है ताकि ये पता लगाया सके कि आपकी किडनियां सही काम कर रही हैं या नहीं। किडनी फंक्शन टेस्ट में 2 प्रकार के टेस्ट किए जाते हैं जिन्हें एसीआर ;एल्बुमिन टू क्रिएटिनिन रेशियोद्ध और जीएफआर ;ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट कहते हैं। एसीआर टेस्ट में आपके यूरिन की जांच की जाती है जबकि जीएफआर टेस्ट में आपके खून में क्रिएटिनिन नाम के तत्व की जांच की जाती है। जीएफआर टेस्ट में मिले क्रिएटिनिन की मात्रा के आधार पर ही ये पता लगाया जाता है कि आपकी किडनियां कितनी ठीक तरह काम कर रही हैं।

सीबीसी टेस्ट ;कंप्लीट ब्लड काउंट

कंप्लीट ब्लड काउंट आपके कई अंगों के स्वास्थ्य के बारे में बताता है इसलिए ये एक जरूरी जांच है। कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट द्वारा आपको लिवर, हार्ट और किडनी के बारे में पता चलता है। इस जांच में व्यक्ति के खून में मौजूद सेल्स की जांच की जाती है। अगर किसी व्यक्ति के खून में रक्त कण कम या अधिक हैं तो उसे स्वास्थ्य संबंधित समस्या हो सकती है।

बदलते मौसम में दिल का ख्याल अवश्य रखें

मौसम बदल रहा है, सर्दियां करीब हैं। इस मौसम में उन लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है, जो दिल और फेफड़ों के रोगों से पीड़ित होते हैं। इस मौसम में ऐसे मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगती है। बदलते मौसम की वजह से अक्सर लोग अपने शरीर को तंदुरुस्त रखने पर ध्यान नहीं देते। इस मौसम में काफी मात्रा में दिल के रोगियों की संख्या में इजाफा होता है।

अचानक से मौसम में आए ठंडे बदलावों के चलते मौसम की वजह से दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं। ऐसा होने से दिल में खून और ऑक्सीजन का प्रवाह कम हो जाता है। इसी वजह से हाइपरटेंशन और दिल के मरीजों में ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। ठंडे मौसम में ब्लड प्लेट्लेट्स ज्यादा सक्रिय और चिपचिपे होते हैं, इसलिए रक्त के थक्के जमने की आशंका भी बढ़ जाती है।

सर्दियों में सीने का दर्द और दिल के दौरे का जोखिम बढ़ जाता है। सर्दियों में धूप हल्की और कम निकलने के कारण मानव शरीर में विटामिन डी की कमी भी हो जाती है। ऐसे में इस्केमिक हार्ट डिसीज, कंजस्टिव हार्ट फेल्योर, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सर्दियों में दिन छोटे हो जाते हैं और लोग भी ज्यादा समय घर के अंदर ही बिताते हैं, इसलिए विटामिन डी की कमी ज्यादा होती है।

बदलते मौसम में अक्सर बड़ी उम्र के लोगों में अवसाद बढ़ जाता है। इससे तनाव बढ़ता है और हाइपरटेंशन होने से, पहले से कमजोर दिल पर और दबाव पड़ जाता है। सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग ज्यादा चीनी, ट्रांसफैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं, जो मोटापे, दिल के रोगों और हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए यह बहुत ही खतरनाक हो सकता है। इस मौसम में शरीर को गर्मी प्रदान करने के लिए दिल ज्यादा जोर से काम करने लगता है और रक्त धमनियां और सख्त हो जाती हैं। ये सब चीजें मिलकर हार्ट अटैक को बुलावा देती हैं।

उम्रदराज और उन लोगों को, जिन्हें पहले से दिल

की समस्याएं हैं, छाती में असहजता, पसीना आना, जबड़े, कंधे, गर्दन और बाजू में दर्द के साथ ही सांस फूलने की समस्या बढ़ जाती है। सर्दियों में ऐसे तकलीफों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उनकी सलाह है कि नियमित रूप से व्यायाम करें और संतुलित व पौष्टिक भोजन लें, ताकि इन समस्याओं से बचा जा सके।

इस मौसम में अगर आपके रक्तचाप (ब्लड प्रेशर)

में कोई असामान्य बदलाव नजर आए, तो दिल को सुरक्षित रखने के ख्याल से तुरंत अपने डॉक्टर की सलाह लें।

जलने पर अपनायें ये घरेलू उपाय

शरीर के किसी अंग का आग या ताप में जल जाना, बेहद तकलीफदेह होता है। कई बार खाना बनाते वक्त, गर्म पानी से या फिर बिजली के किसी उपकरण से जल जाने पर त्वचा पर फफोले हो जाते हैं, जो आपकी तकलीफ को कई गुना बढ़ा देते हैं। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय आपकी मदद कर सकते हैं।

जब भी किसी कारण से त्वचा जल जाए, तो तुरंत उस पर ठंडा पानी डालें, ताकि फफोले ना पड़ सकें। इसके बाद भी आप जले हुए स्थान पर ठंडे पानी में कपड़ा भिगोकर लपेट दें, ताकि यह खतरा और भी कम हो जाए।

जलने पर एलोवेरा काफी फायदा पहुंचाता है। प्राथमिक उपचार के तौर पर इसका प्रयोग जले हुए स्थान पर किया जा सकता है। इसेक बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। पानी या दूध से घाव को धोने के बाद एलोवेरा को जले हुए स्थान पर लगाएं। जले हुए स्थान पर आलू या आलू का छिलका लगाकर रखने से भी जलन से राहत मिलेगी और ठंडक मिलेगी। इसके लिए आलू को दो भागों में काटकर उसे जख्म पर रखें। जलने के तुरंत बाद यह करना काफी फायदेमंद होगा। जले हुए स्थान पर तुरंत हल्दी का पानी लगाने से दर्द कम होता है और आराम मिलता है। इसलिए इसे प्राथमिक उपाचार के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है।शहद का प्रयोग भी जले हुए स्थान पर करने से लाभ होता है, क्योंकि यह एक अच्छा एंटीबायोटिक होता है। यह घाव के कीटाणुओं को खत्म करने में सहायक होता है। इसके लिए शहद को पट्टी पर लेकर पट्टी को घाव पर रख दें और इस पट्टी को दिन में दो से तीन बार जरूर बदलें।

जले हुए स्थान पर टी-बैग रखने से भी आपको काफी राहत मिलेगी। इसके लिए टी-बैग को फि?ज या ठंडे पानी में कुछ देर रखने के बाद घाव पर लगाएं। इसमें टैनिक अम्ल होता है, जो घाव की गर्मी को कम की उसे ठीक करने में मदद करता है।

जले हुए हिस्से पर तुलसी के पत्तों का रस लगाना भी बेहद असरकारक होता है। इससे हुए वाले भाग पर दाग बनने की संभावना कम होती है।

तिल का उपायोग भी जलने पर राहत पहुंचाने में सहायक है। तिल को पीसकर जले हुए स्थान पर लगाने से जलन और दर्द नहीं होगा। तिल लगाने से जलने वाले हिस्से पर से दाग-धब्बे भी समाप्त होते हैं।

जल जाने पर टूथपेस्ट भी एक कारगर उपचार है जिससे जलन तो कम होती ही है, साथ ही त्वचा पर फफोले भी नहीं पड़ते। इसलिए जलने पर कुछ उपलब्ध न हो तो तुरंत टूथपेस्ट लगा लिजिए। जलने पर तुरंत पानी में नमक डालकर गाढ़ा घोल बनाएं, और प्रभावित स्थान पर लगाएं, इससे ठंडक भी मिलेगी और त्वचा फफोले भी नहीं पड़ेंगे। जले हुए स्थान पर तुरंत मीठा सोडा डालकर रगड़ने से भी फफोले नहीं पड़ते और बिल्कुल जलन नहीं होती।

पेट की गैस की दिक्कत से परेशान हैं तो अपनाएं यह घरेलू नुस्खे

आप लगभग आधा चम्मच हींग को गर्म पानी के साथ मिला सकते हैं और गैस की समस्या को रोकने के लिए इसे पी सकते हैं। हींग एक एंटी.फ़्लैटुलेंट के रूप में कार्य करता है जो पेट में अतिरिक्त गैस उत्पन्न करने वाले आंत बैक्टीरिया के विकास को रोकता है।

भारतीयों में फूडी होना एक आम बात है और इसलिए गैस्ट्रिक समस्याएं भी उत्पन्न होना लाज़मी है। अपच, गैस, सूजन हिचकी पेट दर्द अल्सरए और मतली गैस्ट्रिक समस्याओं की कुछ सामान्य विशेषताएं हैं। ये मूल रूप से अस्वस्थ जीवन शैली की वजह से होते हैं जिनमें धूम्रपान शराब पीना नींद की बीमारी जंक फूड तनाव आदि शामिल हैं।

गैस पेट में कभी भी हमला कर सकती है जो की बहुत शर्मनाक हो सकता है। चिकित्सकीय रूप से इसे पेट फूलना के रूप में जाना जाता है यह एक ऐसी स्थिति है जहां आपके पाचन तंत्र में अतिरिक्त गैस एकत्र हो जाती है। लेकिन समस्या से निपटने के लिए यह समझना सबसे ज़रूरी है कि ऐसा क्यों होता है। गैस आपके पाचन तंत्र में दो तरह से जमा हो सकती है। भोजन करते या पानी पीते समय आप हवा को भी निगलते हैं जिससे ऑक्सीजन और नाइट्रोजन आपके शरीर में चली जाती है। दूसरा और महत्वपूर्ण कारण है कि जब आप अपने भोजन को पचाते हैं हाइड्रोजन मीथेन या कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं और आपके पेट में जमा हो जाती हैं। यह आपके भोजन विकल्पों पर भी निर्भर करता है। जैसे सेम, पत्तागोभी छोले और दाल या फलों के रस जैसे उच्च कार्ब खाद्य पदार्थ आसानी से पचते नहीं हैं।

अच्छी बात यह है कि आप प्राकृतिक रूप से गैस की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए बहुत सी घरेलू सामग्री तक पहुंच सकते हैं।

यहां गैस के लिए कुछ सर्वश्रेष्ठ घरेलू उपचार दिए गए हैं जो बिना असफल हुए काम करते हैं। आइये जानते हैं उसके बारे में.

अजवाइन या कैरम सीड्स

नुट्रिशनिस्ट्स बताते हैं कि कैरम के बीज में थाइमोल नामक एक यौगिक होता है जो गैस्ट्रिक रस को निकालता है जिससे पाचन क्रिया में मदद मिलती है। आप बेहतर महसूस करने के लिए दिन में एक बार पानी के साथ लगभग आधा चम्मच कैरम बीज ले सकते हैं।

जीरा पानी--जीरा पानी पीना गैस्ट्रिक या गैस की समस्या के लिए सबसे अच्छा घरेलू उपचार है। सूरा या जीरा में आवश्यक तेल होते हैं जो भोजन के बेहतर पाचन में मदद करता है और अतिरिक्त गैस के निर्माण को रोकता है। जीरा का एक बड़ा चम्मच लें और इसे दो कप पानी में 10.15 मिनट के लिए उबालें। इसे ठंडा होने दें और अपने भोजन के बाद इसे पीएं।

हींग --आप लगभग आधा चम्मच हींग को गर्म पानी के साथ मिला सकते हैं और गैस की समस्या को रोकने के लिए इसे पी सकते हैं। हींग एक एंटी.फ़्लैटुलेंट के रूप में कार्य करता है जो पेट में अतिरिक्त गैस उत्पन्न करने वाले आंत बैक्टीरिया के विकास को रोकता है। आयुर्वेद के अनुसार हींग शरीर के वायु दोष को संतुलित करने में मदद करता है।

अदरक--यह एक बेहतरीन आयुर्वेदिक उपाय है कि आप एक चम्मच ताज़े अदरक को कद्दूकस कर लें और इसे अपने भोजन के बाद एक चम्मच लाइम जूस के साथ लें। गैस से राहत पाने के लिए अदरक की चाय पीना भी एक प्रभावी घरेलू उपाय है। अदरक एक प्राकृतिक ;पेट फूलने से राहत देने वाले एजेंट के रूप में कार्य करता है।

बेकिंग पाउडर के साथ नींबू का रस

यह उपचार अतिरिक्त गैस को कम करने के लिए एक और सरल उपाय है। 1 चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच बेकिंग सोडा को एक कप पानी में घोलें। अपने भोजन के बाद इसे पिएं क्योंकि यह कार्बन डाइ ऑक्साइड बनाने में मदद करता है जो पाचन प्रक्रिया को आसान बनाता है।

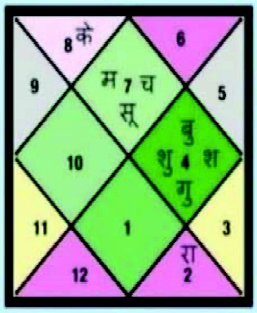

त्रिफला--हर्बल पाउडर त्रिफला भी पेट के दर्द से निपटने में काफी मददगार है। इसका आधा चम्मच उबलते पानी मे 5.10 मिनट के लिए रखें और फिर बिस्तर पर जाने से पहले इसे पी लें। इस मिश्रण के सेवन की मात्रा से सावधान रहें क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा उच्च है। इसे अधिक मात्रा में लेने पर सूजन का कारण बन सकता है।

DNA Construction
Choose our company for commercial constructions that reflect your vision and elevate your business. Contact us in the Elk Grove, CA, area today to discuss your aspirations and discover how we can turn your commercial space into a testament to innovation, functionality, and style.
Residential Construction
Commercial Constructions
Interior Renovation
Home Additions
Home Renovations
Our Hours: Mon-Sat 9am to 5pm
Sun: Closed
(916) 226-6074, (510)-324-3960
Elk Grove, CA 94158 dnacustomhomes@yahoo.com